

अध्याय - 1 | आत्म-परिचय, एक गीत - हरिवंश राय बच्चन

QUIZ-01

1. हरिवंश राय बच्चन का जन्म कहाँ हुआ था ?

- A. बरेली
- B. इलाहाबाद
- C. कानपुर
- D. लखनऊ

(B)

व्याख्या: हरिवंश राय बच्चन का जन्म इलाहाबाद में हुआ था।

2. हरिवंश राय बच्चन का जन्म कब हुआ था ?

- A. सन् 1907
- B. सन् 1910
- C. सन् 1903
- D. सन् 1908

(A)

व्याख्या: बच्चन जी का जन्म सन् 1907 में हुआ था।

3. हरिवंश राय बच्चन ने कहाँ प्राध्यापक के पद पर कार्य किया ?

- A. हिन्दू विश्वविद्यालय
- B. कलकत्ता विश्वविद्यालय
- C. इलाहाबाद विश्वविद्यालय
- D. इनमें से कोई नहीं

(C)

व्याख्या: बच्चन जी ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्राध्यापक के रूप में कार्य किया।

4. हरिवंश राय बच्चन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय में कैसे विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया ?

- A. अंग्रेजी भाषा विशेषज्ञ
- B. हिन्दी भाषा विशेषज्ञ
- C. मराठी भाषा विशेषज्ञ
- D. इनमें से कोई नहीं

(B)

व्याख्या: उन्होंने हिन्दी भाषा विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

5. बच्चन जी की किस रचना को दस खंडों में प्रकाशित किया गया ?

- A. मधुशाला
- B. निशा निमंत्रण
- C. मधुकलश
- D. बच्चन ग्रन्थावली

(D)

व्याख्या: बच्चन ग्रन्थावली को दस खंडों में प्रकाशित किया गया।

6. "मैं जग जीवन का भार लिए फिरता हूँ ... मैं साँसों के दो तार लिए फिरता हूँ" — किस काव्यांश से ली गई है?

- A. आत्मा परिचय
- B. मधुशाला
- C. मधुबाला
- D. इनमें से कोई नहीं

(A)

व्याख्या: यह काव्य पंक्तियाँ "आत्म परिचय" से ली गई हैं।

7. आत्म परिचय काव्यांश हमारी किस पाठ्य पुस्तक में वर्णित है ?

- A. अरोह भाग -1
- B. अरोह भाग -2
- C. वितान भाग - 1
- D. वितान भाग -2

(C)

व्याख्या: यह काव्यांश "वितान भाग - 1" में संकलित है।

8. आत्म परिचय कविता के द्वारा कवि की चाह क्या है ?

- A. आत्म परिचय
- B. आत्मा का परिचय
- C. परमात्मा का परिचय
- D. इनमें से कोई नहीं

(D)

व्याख्या: इस कविता में कवि आत्मा का परिचय देना चाहता है।

9. संसार के सभी प्राणी किसके साथ चलते हुए लक्ष्य की प्राप्ति करना चाहते हैं ?

- A. लगन
- B. समय
- C. मेहनत
- D. रास्ते

(B)

व्याख्या: सभी प्राणी समय के साथ चलते हुए अपने लक्ष्य तक पहुँचने का प्रयास करते हैं।

10. मनुष्य को किसके साथ कदम मिलाकर चलना चाहिए ?

- A. मित्र
- B. परिवार
- C. समय
- D. इनमें से कोई नहीं

(C)

व्याख्या: मनुष्य को समय के साथ कदम मिलाकर चलना चाहिए, यही कविता का संदेश है।